HINDUI' PRIMER.

बालकोंके लिये।

प्रथम शिक्षा पुस्तक।

कलकत्ता स्कुलबुक सोसाइटीके लिये छापा गया।

CALCUTTA:

PRINTED AT THE SCHOOL-BOOK SOCIETY'S PRESS, CIRCULAR ROAD; AND SOLD AT ITS DEPOSITORY.

1839.

HINDUI' PRIMER.

बालकोंके लिये।

प्रथम शिक्षा पुस्तक।

कलकत्ता स्कुलबुक सोसाइटीके लिये छापा गया।

CALCUTTA:

PRINTED AT THE SCHOOL-BOOK SOCIETY'S PRESS, CIRCULAR ROAD; AND SOLD AT ITS DEPOSITORY.

1839.

2nd Ed. 3500 Copies.
3rd Ed. 2500 Copies.
4th Ed. 3000 Copies.

HINDUI' PRIMER.

वर्णारम्भ।

वर्णमाला देवनागरीकी

स्वर वर्ण।

अ आ इ ई उ ऊ

ऋ ॠ ऌ ॡ ए ऐ

ओ औ अं अः

व्यञ्जन वर्ण।

क ख ग घ ङ

च छ ज झ ञ

ट ठ ड ढ ण

त थ द ध न

प फ ब भ म

य र ल व

श ष स ह

मात्रा वर्ण।

ा ि ी ु ू ृ ॄ

ॢ ॣ े ै ो ौ ं ः

बारा खरी।

क का कि की कु कू के कै को कौ कं कः।
ख खा खि खी खु खू ख खै खो खौ खं खः।
ग गा गि गी गु गू ग गै गो गौ गं गः।
घ घा घि घी घु घू घे घै घो घौ घं घः।
च चा चि ची चु चू चे चै चो चौ चं चः।
छ छा छि छी छु छू छे छै छो छौ छं छः।
ज जा जि जी जु जू ज जै जो जौ जं जः।
झ झा झि झी झु झू झे झै झो झौ झं झः।
ट टा टि टी टु टू टे टै टो टौ टं टः।
ठ ठा ठि ठी ठु ठू ठे ठै ठो ठौ ठं ठः।
ड डा डि डी डु ड डे डै डो डौ डं डः।
ढ ढा ढि ढी ढु ढू ढे ढै ढो ढौ ढं ढः।
ण णा णि णी णु णू णे णै णो णौ णं णः।
त ता ति ती तु तू ते तै तो तौ तं तः।
थ था थि थी थु थू थे थै थो थौ थं थः।
द दा दि दी दु दू द दै दो दौ दं दः।
ध धा धि धी धु धू धे ध धो धौ ध धः।
न ना नि नी नु नू ने न नो नौ नं नः।
प पा पि पी पु पू पे पै पो पौ पं पः।

फ फा फि फी फु फू फे फै फो फौ फं फः।

ब बा बि बी बु बू बे बै बो बौ बं बः।

भ भा भि भी भु भू भे भै भो भौ भं भः।

म मा मि मी मु मू मे मै मो मौ मं मः।

य या यि यी यु यू ये यै यो यौ यं यः।

र रा रि री रु रू रे रै रो रौ रं रः।

ल ला लि ली लु लू ले लै लो लौ लं लः।

व वा वि वी वु वू वे वै वो वौ वं वः।

श शा शि शी शु शू शे शै शो शौ शं शः।

ष षा षि षी षु षू षे षै षो षौ षं षः।

स सा सि सी सु सू से सै सो सौ सं सः।

ह हा हि ही हु हू हे है हो हौ हं हः।

संयुक्त अक्षर।

य क्य ख्य ग्य घ्य ङ्य। च्य छ्य ज्य झ्य ञ्य।

ट्य ठ्य ड्य ढ्य ण्य। त्य थ्य द्य ध्य न्य।

प्य फ्य ब्य भ्य म्य। य्य ल्य व्य श्य ष्य।

स्य ह्य क्ष्य।

र क्र ख्र ग्र घ्र ङ्र। च्र छ्र ज्र झ्र ञ्र।

ट्र ठ्र ड्र ढ्र ण्र। त्र थ्र द्र ध्र न्र।

प्र फ्र ब्र भ्र म्र। य्र व्र श्र।

ष्र स्र ह्र क्ष्र ञ्र।

क्त त्व हृ प्त ङ्ख ङ्ग हृ प्प ङ्ग ल्ल न्द ग्व
न्ध ट्ठ ग्न ल्ल म्ह पृ न्ह।

तीन अक्षरोंका योग।

क्ष्य स्न त्क्र त्स्य त्म्य ग्ध्य म्ब्व ह्न ष्कृ ङ्क्ष क्थ्य न्द्र
क्ष्म्य म्प्य न्ध्य ङ्क्ष्य म्ब्य ध्र्य न्ज्य ष्ट्य न्त्व ञ्छ्र ल्प्य न्म
न्द्य ल्म्य न्ज्व स्फ्य ह्म्य ष्ट्र त्प्र ल्प्व न्द्र म्य स्त्य
पृ्य ल्क्य म्भ्य न्त्व क्ष्य त्त्व ज्ज्व म्भ्य त्स्य स्त्व स्थ्य
ध्वृ प्स्व म्भ्य पृ ग्य त्स्म ङ्क्ष्व ष्म्य ड्र स्त्र त्स्त त्स्व
स्क स्त्व म्भृ स्क्य प्त्य म्प्र ल्प्त न्त्य त्स्न।

चार अक्षरोंका योग।

ङ्क्ष्व न्त्स्य ल्प्स्य ज्ज्व्य न्त्र्य न्त्स्व न्त्स्य ङ्क्ष्ण न्ध्र्य।

दो स्वरोंके शब्द।

१ पहिला पाठ।

अब सब काम काल पान कान
बात बिल बल पल कुल कूल
खल खत राम नाम धूल दूध
छाछ फुल फल हर हल तुल
पीत भीत सूत छूत चाल बास
कोख पाठ भय साथ लाग और

ओत आट पीठ दीन भार चोर
ठग धन पाप जप तप कुल
कील नील बाट भाट मठ दाल
शाक चूल जन वन सन काम
खाट यव हाथ पेट स्तन जांघ
पैर गोड़ रोम लाम पुल आग
ऊट रोग शोक स्नान ध्यान काठ
काक गाल गाल दिन मन ढील
शील धीर धान योग सुख दुःख
सांझ।

दो स्वरोंका शब्द।

२ पाठ।

काया आया पात्र पानी काला पीला
नीला धोला हरा बालू बला ताला
माली तालू भला भोला भाई माता
पिता धोबी आंधी देही मट्ठा खली
ओष्ठ मसा ईसा सीमा कण्ठ मार्ग
सङ्ग आग आटा सेवा गुरु चेला
पित्त आशा दाता दाया सादा खड़ी

सोना चांदी तांबा बुरा दम्यु धनी पुण्य धर्म कली वृक्ष कांटा गर्व गर्भ बाहु भुजा गला कन्धा सन्धा तुली पुली मांस घोड़ा हाथी मक्षी बिक्ष तूंबी चणा एड़ी गाड़ा भूमि गधा विद्या शाला माला रोली मोली काष्ठ धला मूढ़ मूर्ख मूली लूला लीला बत्ती गोला बुद्धि धातु दण्ड खण्ड।

पहिला पाठ।

बालकनके सीखनेका।

भले हैं वे बालक जो अपने पाठको कण्ठ कर्के गुरुको सुनाय देते हैं। और धन्य हैं वे जो माता पिताकी आज्ञाको मानते हैं। सत्य बोलना बड़ा पुण्य है, मिथ्या कहनसे पाप होता है। बालक पनमें विद्या सीखनेसे युवा अवस्थामें सुख होता है। सबके साथ प्रेम कर्ना अच्छा है।

---

२ पाठ।

ज्ञानी लोग गर्व नहीं कर्ते, मूर्ख लोक अपनेको बड़ा मानते हैं। विद्याका मोल सोने रुपेसे अधिक

है। भले धनी लोग धनको माक्षोक्त पुण्यमार्गमें लगावते हैं, नीच लोग कुमार्गमें धनको खोये हैं। हे भाई बालको तुम अच्छी बातें सीखो, और उस परमेश्वरको मानों, जिस्ने तुम्को इस् जगतमें जन्मा या है, और जो तुम्को समयमें खानेको देता है, वा मरके जिस्के पास तुम्हें जाना पड़ेगा।

३ पाठ।

भला वृक्ष वही है कि जिस्के फलको सब खाते हैं उस्की रक्षा सभी कर्त्ते हैं वही वृक्ष काटा जाता है जो कड़वे फलोंसे लदा है वा कांटोंसे भरा है। विद्या रत्न सबसे भला है, विद्याका धनी दिवा लिया नहीं होता। हे मेरे प्यारे बालको तुम् बुरोंके साथ मत् खेलो, जहां मार पीट वा गाली गलौज होती हैं। प्रेम करो अपने पाठके सीखने वा गुरुके घर आने जो तुमको धर्म्मके मार्गको सिखावता है।

४ पाठ।

बुरी बातें कभी मत् कहो, वा बुरे मार्गमें मत् जाओ। माता पिताका वा गुरुका वाक्य मानो जो तुमको भला उपदेश देते हैं। भोरमें उठो, और पढ़नेको आओ, अपने पाठको भूलो मत् जो पाठको भूलते हैं उन्को सिखाओ। जाब पाओगे तब सुखी

होगे, अभागी बड़ा दुःख पावते हैं, वा मूर्ख कहलाते हैं। तुम प्रार्थना करो, और परमेश्वरसे भली बुद्धि पावनेके लिये आशीर्वाद मांगो ; उसकी आज्ञा है कि तुम मांगो और तुमको मिलेगा, ऐसा दयावान् वा दाता और कोई नहीं है जैसा ईश्वर है। कभी ईश्वर को मत् भूलो ; सदा अपने पास परमेश्वरको जानो; जिसकी दिई आखें सारे जगत्का हैं ; वह सदा सबको देखता है। अहो मित्र लोगो तुम सब प्रेमके पात्र हो इस् लिये तुमसे मै प्रार्थना करके कहता हूं कि तुम कुमार्गमे फिरके अपने समयको मत गवांओ, परन्तु परमेश्वरको बाटमे चलके सुखसे समयको बिताओ।

---

५ पाठ गिनतीका।

१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०
११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०
२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०
३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०
४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०
५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०
६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०
७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०
८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०
९१	९२	९३	९४	९५	९६	९७	९८	९९	१००